प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 14 (2019-20)

हिन्दी-ब (कोड-85)

कक्षा-9

निर्धारित समय- 3 घंटे अधिकतम अंक- 80

सामान्य निर्देशः-

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड-क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

संपत्ति के स्वामित्व और उसके अधिकार की बात जानने के लिए यह समझना जरुरी है कि संपत्ति किसे कहते है और वह बनती कैसे है? आमतौर से माना जाता है कि रुपया, नोट या सोना-चाँदी का सिक्का ही संपत्ति है, लेकिन यह ख्याल गलत है क्योंकि ये तो संपत्ति के माप-तौल के साधन मात्र है। संपत्ति तो वे ही चीजें हो सकती है जो किसी-न-किसी रूप में मनुष्य के उपयोग में आती हैं। उनमें से कुछ ऐसी है जिनके बिना मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता एवं कुछ, सुख-सुविधा और आराम के लिए होती है। अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं, जिनके बिना उसकी गुजर-बसर नहीं हो सकती। सृष्टि में जो नानाविध द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य श्रम करता है, तब यह काम की चीजें बनती हैं। अतः संपत्ति के मुख्य साधन दो हैंः सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कुछ चीजें बनती दिखती हैं पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल बौद्धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज नहीं बन सकती अर्थात बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

1. असली संपत्ति क्या नहीं है? 2
उत्तर : रुपया, नोट ,सोना-चाँदी का सिक्का ये मात्र संपत्ति के माप-तौल के साधन हैं। ये असली संपत्ति नहीं हैं।
2. मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ क्या हैं? 2
उत्तर : ऐसी वस्तुएँ जिनके बिना मनुष्य जीवित नहीं रह सकता। अन्न, वस्त्र और मकान ये मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं।
3. उपरोक्त गद्य में से ऐसे शब्दों का चयन करो जिनमें अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग हुआ है। 2
उत्तर : संपत्ति, एवं, आवश्यकताएँ, चांदी, चीज़ें, यंत्र।
4. संपत्ति का निर्माण कैसे हो सकता है? 2
उत्तर : बौद्धिक श्रम से संपत्ति का निर्माण नहीं किया जा सकता। संपत्ति के निर्माण के लिए शरीर का श्रम होना अनिवार्य है।
5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1
उत्तर : संपत्ति का महत्त्व।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

किताबें झांकती हैं बंद अलमारी के शीशों से,
बड़ी हसरत से तकती हैं।
महीनों अब मुलाकातें नहीं होती,
जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं
अब अक्सर .....
गुजर जाती है 'कंप्यूटर के पर्दो पर'
बड़ी बेचैन रहती हैं किताबें .....
इन्हें अब नींद में चलने की आदत हो गई है
जो कदरें वो सुनाती थी
कि जिनके 'सैल' कभी मरते नहीं थे,
वो कदरें अब नजर आती नहीं घर में,
जो रिश्ते वो सुनाती थीं।
वह सारे उधरे-उधरे हैं,
कोई सफ्हा पलटता हूँ तो इक सिसकी निकलती है,
कई लफ्जों के माने गिर पड़ते है
बिना पत्तों के सूखे-टुंडे लगते हैं वो सब अल्फाज,
जिन पर अब कोई माने नहीं उगते .....

1. उपरोक्त काव्यांश के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है? 2
उत्तर : प्रस्तुत काव्यांश में गुलजार जी ने कंप्यूटर के कारण पुस्तकों के प्रति अरुचि, पुस्तकों और मनुष्यों के बीच बढ़ती दूरी को बहुत ही मार्मिक ढंग से व्यक्त किया है।

2. पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए– 2
अब महीनों मुलाकातें नहीं होती,
जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं .....

उत्तर : पहले अक्सर शाम को कई घंटे पुस्तकों के साथ समय बिताया जाता था, पर जब से कंप्यूटर आया तब से किताबों के लिए वक्त नहीं रह गया।

3. उर्दू शब्दों को छांटकर उनके अर्थ लिखिए। 2

उत्तर : **हसरत–** इच्छा
सोहबत– संगत
कदरें– मूल्य

अथवा

चौड़ी सड़क गली पतली थी
दिन का समय घनी बदली थी
रामदास उस दिन उदास था
अंत समय आ गया पास था
उसे बता, यह दिया गया था, उसकी हत्या होगी।
धीरे–धीरे चला अकेले
सोचा साथ किसी को ले–ले
फिर रह गया, सड़क पर सब थे
सभी मौन थे, सभी निहत्थे
सभी जानते थे यह, उस दिन उसकी हत्या होगी।
खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर
दोनों हाथ पेट पर रखकर
सधे कदम रख करके आए
लोग सिमट कर आँख गड़ाए
लगे देखने उसको जिसकी तय था हत्या होगी
निकल गली से तब हत्यारा
आया उसने नाम पुकारा
हाथ तौलकर चाकू मारा
छूटा लोहू का फव्वारा
कहा नहीं था उसने आखिर उसकी हत्या होगी?

1. रामदास की उदासी का क्या कारण था?
उत्तर : अपनी हत्या की जानकारी तथा किसी के द्वारा मदद न मिलना। रामदास की उदासी का कारण था।
2. रामदास की हत्या के समय का वर्णन किन काव्य पंक्तियों में किया गया है?
उत्तर : चौड़ी सड़क गली पतली थी।
दिन का समय घनी बदली थी।
3. जनता के सामने आम आदमी की हत्या किस बात की सूचक है?
उत्तर : जनता के सामने आम आदमी की हत्या आम आदमी के बेचारेपन की, जनता की संवेदन–शून्यता की, हत्यारों की निडरता की तथा सरकार के निकम्मेपन की सूचक है।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए।** 2
टिप्पणी, विरूद्ध, आश्रम

उत्तर : **टिप्पणी–** ट् + इ + प् + प् + अ + ण् + ई
विरुद्ध– व् + इ + र् + उ + द् + ध + अ
आश्रम– आ + श् + र + म् + अ

4.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1
कारवा, आगन, ऊट

उत्तर : **कारवा–** कारवाँ
आगन– आँगन
ऊट– ऊँट

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1
नीद, कगन, ततु

उत्तर : **नीद–** नींद
कगन– कंगन
ततु– तंतु

5. **निम्नलिखित में से किन्ही दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए।** 1
जनाजा, फसाद, तूफान

उत्तर : **जनाजा–** जनाज़ा
फसाद– फ़साद
तूफान– तूफ़ान

6.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1
खिंचाव, विलायती, नमकीन

उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	खिंच	आव
2.	विलायत	ई
3.	नमक	ईन

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1
अतिरिक्त, निरक्षर, हमशक्ल

उत्तर :

	उपसर्ग	मूलशब्द
1.	अति	रिक्त
2.	निर्	अक्षर
3.	हम	शक्ल

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1
तत्परता, दुस्साहसी, निडरता

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	तत्	पर	ता
2.	दुस्	साहस	ई
3.	नि	डर	ता

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4
रूपांतरण, पुरूषोत्तम, प्रत्येक, सुरेश, कालांतर

उत्तर : रूपांतरण– रूप + अंतरण
पुरुषोत्तम– पुरुष + उत्तम
प्रत्येक– प्रति + एक
सुरेश– सुर + ईश
कालांतर– काल + अंतर

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए। 3
1. शादी ब्याह के मौसम में दम मारने की भी छुट्टी कहाँ मिलती है
2. शरीर श्रम से अपना निर्वाह करने वाले हैं किसान, मजदूर, बढ़ई, लुहार आदि
3. वह सोचने लगी हाय कितनी निर्दयी हूँ
4. मेरा भाई घर से वापस आ गया है

उत्तर :
1. शादी–ब्याह के मौसम में दम मारने की भी छुट्टी कहाँ मिलती है?
2. शरीर श्रम से अपना निर्वाह करने वाले हैं–किसान, मजदूर, बढ़ई, लुहार आदि।
3. वह सोचने लगी–'हाय! कितनी निर्दयी हूँ'।
4. मेरा भाई घर से वापस आ गया है।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. एस्ट्रॉनोट्स का उदाहरण देकर लेखक मन ही मन अतिथि को क्या समझाना चाहता था? 2
उत्तर : जब चौथे दिन भी अतिथि के जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं हुई तब लेखक मन ही मन समझाना चाहता था कि एस्ट्रॉनोट्स जो कि चाँद की लाखों मील की लंबी यात्रा करके भी वहाँ इतना समय नहीं रूके थे जितना तुम मेरे यहाँ एक छोटी सी यात्रा करके रूक गए हो।
2. ''एवरेस्टः मेरी शिखर यात्रा'' में तेनजिंग को लेखिका ने अपना परिचय कैसे दिया? 2
उत्तर : जब तेनजिंग अपनी पुत्री डेकी के साथ बेस कैंप में भी दल के सदस्यों से मिलने आए तब लेखिका ने उन्हें अपना परिचय इस प्रकार दिया, ''मैं बिल्कुल ही नौसिखिया हूँ और ऐवरेस्ट मेरा पहला अभियान है।''
3. इतनी सारी व्यवस्थाओं के बीच महादेव भाई क्या नहीं करना भूलते थे? 1
उत्तर : महादेव जी सूत भी बहुत सुंदर कातते थे। इतनी सारी व्यवस्तताओं के बीच भी सूत कातना कभी नहीं भूलते थे।

9. पुत्र की मृत्यु के दिन ही खरबूज बेचने आई स्त्री को देखकर लोग कैसी–कैसी बात कर रहे थे? 5

उत्तर : पड़ोस के सभी लोग घृणा से उस स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे। एक ने कहा, ''क्या जमाना है। जवान लड़के को मरे पूरा दिन भी नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगा के बैठी है। दूसरे ने कहा, ''अरे जैसी नीयत होती है, अल्लाह भी वैसी ही बरकत देता है।''

परचून की दुकान के लाला जी ने कहा, ''अरे भाई, इनके लिए मरे–जिए का कोई मतलब नहीं है। जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता है और ये यहाँ खरबूज बेचने चली आई। कम से कम दूसरे के धर्म–ईमान का तो ख्याल करें। अन्य व्यक्ति ने कहा, ये लोग रोटी पर जान देते हैं इनके लिए बेटा–बेटी, खसम–लुगाई, धर्म–ईमान सब रोटी का टुकड़ा है।

अथवा

"कीचड़ का काव्य" पाठ के लेखक कौन हैं तथा उनकी शैली का वर्णन करते हुए पाठ का उद्देश्य लिखिए?

उत्तर : 'कीचड़ का काव्य' पाठ काका कालेलकर द्वारा लिखा गया है। काका के लेखन की भाषा सरल, सरस, ओजस्वी और सारगर्भित है। विचारपूर्ण निबंध हो या यात्रा संस्मरण सभी विषयों की तर्कपूर्ण व्याख्या काका की लेखन शैली की विशेषता रही है। इस पाठ में लेखक ने कीचड़ की उपयोगिता का काव्यात्मक शैली में वर्णन किया है। इस पाठ में उनका उद्देश्य आमजन को यह समझाना है कि हमें कीचड़ के गंदेपन पर नहीं, अपितु उसकी मानव और पशुओं तक के जीवन में उपयोगिता पर ध्यान देना चाहिए। उत्तर–पूर्वी राज्यों में सबसे ज्यादा पैदा होने वाली धान की फसल कीचड़ में ही उग पाती है। कीचड़ न होता तो क्या–क्या न होता, मानव और पशु किन नियामतों से वंचित रह जाते, इसकी एक बानगी इस पाठ में लेखक ने बखूबी दर्शायी है।

10.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 2
"सुनि अठिलें हैं लोग सब, बाँटि न लेहैं कोय"

उत्तर : इस पंक्ति में कवि कहना चाहते हैं कि व्यक्ति को अपना दुख हर किसी से नहीं बाँटना चाहिए। संसार में कुछ लोग तो ऐसे होगें जो आपके दुख को समझेंगे, आपको सांत्वना देगें पर कुछ लोग आपके दुख को समझने के बजाए उसका उपहास बनाएगें इसलिए अपने दुख को अपने तक ही सीमित रखना चाहिए।

2. 'अग्निपथ' कविता से मनुष्य को जिंदगी में आगे बढ़ने की क्या सीख मिलती है? 2

उत्तर : इस कविता के माध्यम से कवि मनुष्य को संघर्ष की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। मनुष्य को सुख–सुविधाओं में नहीं उलझना चाहिए तथा अपने कर्मपथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। कितनी भी बाधाएँ हों या कितनी भी चुनौतिपूर्ण परिस्थितियाँ हो उनका डटकर सामना करना चाहिए। संघर्ष से घबराकर कर्मपथ से विचलित नहीं होना चाहिए

3. 'आदमीनामा' कविता में आदमी के अच्छे व बुरे कृत्यों का वर्णन कीजिए। 1

उत्तर : कविता के अनुसार संसार में अच्छे व बुरे दोनों प्रकार के व्यक्ति हैं और उनके कृत्य भी उन्हीं के विचारों व मानसिकता के अनुरूप होते हैं। मन को लुभाने वाले अच्छे कार्य, धर्मगुरू व ईश्वर की सेवा आदि अच्छे कार्य करने वाले अच्छे आदमी होते हैं तथा लोगों को अपमानित करना, चोरी करना व दुख देना ये सभी कार्य बुरे कार्य हैं।

11.कवि रैदास द्वारा दोनों पदों में व्याप्त प्रभु भक्ति का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5

उत्तर : प्रथम पद 'प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी' में कवि अपने अराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है। उसका प्रभु बाहर कहीं किसी मंदिर या मस्जिद में नही विराजता वरन् उसके अपने अंतरमन में सदा विद्यमान रहता है। यही नहीं, वह हर हाल में, हर काल में उससे श्रेष्ठ और सर्वगुण संपन्न है। इसीलिए कवि को उन जैसा बनने की प्रेरणा मिलती है। दूसरे पद में ईश्वर की उदारता, कृपा और उनके समदर्शी स्वभाव का वर्णन है। कवि कहते हैं कि ईश्वर ने तथाकथित निम्न कुल के भक्तों को भी सहज–भाव से अपनाया है और उन्हें लोक में सम्माननीय स्थान दिया है।

अथवा

'एक फूल की चाह' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : 'एक फूल की चाह' सियारामशरण गुप्त जी की एक प्रसिद्ध कविता है। संपूर्ण कविता छुआ–छूत जैसी सामाजिक कुरीति पर केंद्रित है। एक मरणासन्न 'अछूत' कन्या के मन में यह चाह उठी कि काश! देवी के चरणों में अर्पित किया हुआ एक फूल लाकर कोई उसे दे दे। कन्या के पिता ने बेटी की मनोकामना पूर्ण करने का बीड़ा उठाया और वह देवी के मंदिर में जा पहुँचा। देवी की अराधना की परंतु अछूत होने के कारण, अन्य भक्तों की नजर में वह खटकने लगा। उसको न्यायालय में सात दिवस का दंड मिला जिसकी वजह से वह अपनी बेटी के अंतिम क्षणों में भी उसके पास न था। अपनी बेटी की अंतिम इच्छा भी पूरी न कर पाया।

12.पाठ में लेखिका द्वारा दिए गए गिल्लू के क्रिया–कलापों का विवरण दीजिए। 3

उत्तर : लेखिका का गिल्लू के साथ प्रेमपूर्ण रिश्ता बन गया था। लेखिका के कंधे पर अचानक से कूदना, फूलदान के फूलों के पीछे, परदे की चुन्नट में, कभी सोनजुही की पत्तियों में छिपकर चौंकाता था। जब वह लिखने बैठती तब अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए उनके पैरों तक आकर तेजी से परदे पर चढ़ता–उतरता। भूख लगने पर चिक–चिक करता और अपना पसंदीदा काजू मिलते ही नन्हें पंजों से पकड़कर कुतरता। प्रतिदिन कमरे का दरवाजा खुलते ही लेखिका को देखकर पैरों से सिर और सिर से पैरों तक दौड़ लगाता। उनके साथ उनकी थाली में बैठकर खाना खाता। लेखिका की अस्वस्थता के समय नन्हें पंजों से सिर और बालों को सहलाता था।

अथवा

चिट्ठियाँ समेटकर और साँप को एक तरफा कर लेखक के कुएँ से बाहर आने की प्रक्रिया को संक्षिप्त में लिखिए।

उत्तर : चिट्ठियाँ समेटकर और साँप को एक तरफा कर लेखक के सामने चुनौती थी कुएँ से बाहर निकलना। केवल हाथों के सहारे पैरों को बिना कहीं लगाए हुए 36 फुट ऊपर चढ़ना सोच कर लेखक चिंतित था। अपनी उम्र के अनुसार 15–20 फुट बिना पैरों के सहारे चढ़ने की हिम्मत रखता था पर वह ग्यारह वर्ष की उम्र में 36 फुट हिम्मत बंधा कर चढ़ा। बाहें भर गई, छाती फूल गई थी। धौंकनी चल रही थी। पर किसी तरह एक–एक इंच सरक–सरककर अपनी भुजाओं के बल वह ऊपर चढ़ गया। हाथ छूट जाने का भय हर पल सता रहा था। ऊपर पहुँचकर बेहाल होकर, थोड़ी देर धरा पर पड़ा रहा।

13. वल्लभ भाई पटेल जी की गिरफ्तारी का क्या कारण था ? 2

उत्तर : रास में लोगों के आग्रह पर पटेल जी ने भाषण दिया। जिसमें उन्होंने कहा, ''भाईयों और बहनों, क्या आप सत्याग्रह के लिए तैयार है, यह सुनते ही मजिस्ट्रेट ने निषेधाज्ञा लागू कर दी और पटेल जी को गिरफ्तार कर लिया गया।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **शिक्षा और नारी जागरण।**
   • शिक्षा की आवश्यकता • नारी की स्थिति • शिक्षा द्वारा नारी विकास।
2. **भारतीय संस्कृति और आधुनिकता।**
   • भारतीय संस्कृति का स्वरूप • विशेषताएं • आधुनिकता।
3. **प्रतिभा पलायन।**
   • एक समस्या • कारक • नियंत्रित करने के उपाय

उत्तर :

1. शिक्षा और नारी जागरण

शिक्षा उज्ज्वल भविष्य का सपना साकार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अच्छी शिक्षा व्यक्ति को सामाजिक स्तर में उन्नति, आर्थिक प्रगति, उत्कर्ष व्यक्तित्व के निर्माण जीवन के लक्ष्य निर्धारित करने की क्षमता पैदा करना, सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों के प्रति जागरूक होना, जैसे लाभ दिलवाती है। महिलाओं की साक्षरता दर में पिछले वर्षों की अपेक्षा बहुत सुधार देखने को मिला है। समाज को अपनी संकीर्ण मानसिकता को छोड़कर महिलाओं को शिक्षित करने की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए। नारी शिक्षा से न केवल परिवार को लाभ मिलता है अपितु एक सभ्य समाज का भी निर्माण होता है। एक शिक्षित महिला अपने परिवार तथा अपनी संतान को एक सुनहरा भविष्य चुनने के लिए मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम है। शिक्षा की बदौलत महिलाएं पुरुष प्रधान देश में मर्दों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। डॉक्टर, इंजिनियर, टीचर, पायलट, ड्राइवर, अभिनेता इत्यादि ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहाँ महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा न मनवाया हो। शिक्षा से नारी के आत्मविश्वास तथा आत्मसम्मान में इजाफा हुआ है और आत्मनिर्भर बनने का सपना साकार हो रहा है। शिक्षा से नारी को अपने सामर्थ्य को पहचानने व अपनी प्रतिभा और क्षमता के प्रदर्शन का अवसर भी मिलता है।

2. भारतीय संस्कृति और आधुनिकता

भारतीय संस्कृति विश्व की प्रधान संस्कृति है। ये न केवल प्राचीनता का प्रमाण है अपितु भारतीय अध्यात्म और चिंतन की भी श्रेष्ठ अभिव्यक्ति है। हजारों वर्षों से भारत की सांस्कृतिक प्रथाओ, भाषाओं, रीति–रिवाजों आदि में विविधता बनी हुई है जो कि आज भी विद्यमान है। इसमें धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष जैसे 4 पुरुषार्थों का विशिष्ठ स्थान है। भारतीय संस्कृति अनेकता में एकता, सहनशीलता, सहिष्णुता आदि विशेषताओं के साथ–साथ आध्यात्मिकता व भौतिकता का अद्‌भुत समन्वय कर अपने परंपरागत अस्तित्व को आज भी संजोए हुए है। औद्योगिक क्रांति व शहरीकरण के साथ आधुनिकता ने भी देश में दस्तक दी। इससे न केवल रूढ़िवाद की समाप्ति हुई बल्कि सामाजिक स्तर पर रहन–सहन के तौर तरीकों में भी परिवर्तन आया। संस्कृति का सात्विक प्राचीन रूप नष्ट होने की ओर है। हमारी संस्कृति अद्वितीय है और इसके संरक्षण की बागडोर वर्तमान पीढ़ी पर है।

3. प्रतिभा पलायन

देश के शिक्षित, प्रतिभा सम्पन्न, कुशल व अनुभवी वर्ग का बेहतर रोजगार के अवसरों एवं उच्च जीवन शैली की तलाश में अपना देश छोड़ कर दूसरे देश प्रस्थान कर जाना ही प्रतिभा पलायन है जो कि गंभीर समस्या है। अस्थिर राजनीतिक परिस्थितियां, उन्नत प्रौद्योगिकी, भ्रष्टाचार, आरक्षण प्रणाली, अनुचित कार्य भार, कम वेतन, रोजगार के अवसरों व चिकित्सीय सुविधाओं का अभाव इत्यादि ऐसे कई कारण हैं जो प्रतिभा पलायन के लिए जिम्मेदार हैं। भारत देश विकासशील देश हैं और इसकी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभा पलायन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए इसीलिए नेतृत्व क्षमता को पहचानना, उचित प्रचार मिलना, मेरिट के आधार पर रोजगार मिलना, आरक्षण को जड़ से हटाना तथा कार्य व बाजार के मानकों के अनुरूप वेतन मिलना आदि उपायों से कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

15. पहली बार अकेले विदेश यात्रा जाने पर छोटी बहन को मंगलमय यात्रा की बधाई देते हुए पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

52, सेक्टर 06
गुड़गाँव
प्रिय रीना
दिनांक– 5 अगस्त, 2019
स्नेहाशीष,

कल तुम्हारी उपलब्धि के बारे में माता–पिता से पता चला। सुनकर बहुत प्रसन्नता हुई कि तुम्हें महाविद्यालय की तरफ से विदेश भेजा जा रहा है। सच गुड़िया तुम्हारी लगन, परिश्रम और ईच्छा शक्ति से यह साबित कर दिया कि दृढ़ निश्चय से हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं। इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण का भरपूर लाभ उठाना। यह हम सब के लिए गौरव की बात है कि तुम्हारे महाविद्यालय से मात्र तुम्हें इस प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया है। तुम्हारा विदेश यात्रा का बचपन का सपना पूरा हुआ।

मेरी ओर से तुम्हें बहुत सारी शुभकामनाएँ व आशीष। विदेश में भी तुम अपना–अपने महाविद्यालय, अपने परिवार व अपने देश का नाम रोशन करो, इसी मंगल कामना के साथ।

तुम्हारा बड़ा भाई।

आशीष

अथवा

मित्र के चाचा जी के आकस्मिक देहांत की खबर सुनकर सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर :

60, शांति निकेतन
महात्मा गाँधी मार्ग
दिल्ली

प्रिय मित्र,

स्नेह,

यह जानकर बहुत दुख हुआ कि 26 जुलाई को अचानक तुम्हारे पूज्य चाचाजी का देहांत हो गया। मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा। अभी तुम्हारे जन्मदिन पर उनसे मुलाकात हुई थी। तब तो वह बिल्कुल स्वस्थ और स्फूर्तिमय थे। अकस्मात ये संकट कैसे आ गया। वे तो सदैव सभी कार्यों में सक्रिय रहते थे और बहुत चुस्त–दुरुस्त रहते थे। मैं उनसे तंदरुस्त रहने की प्रेरणा लेता था। मित्र, यद्यपि इस क्षति को पूर्ण नहीं किया जा सकता पर तुम्हें धैर्य से काम लेना होगा क्योंकि ईश्वर के आगे किसी का बस नहीं चलता। जीवन व मृत्यु तो ईश्वर के हाथ हैं। तुम्हारे माता–पिता पर तो दुख का पहाड़ टूट पड़ा होगा।

इस दुख की घड़ी में उनका धैर्य बंधाना (संबल प्रदान करना)।

शीघ्र मिलने आऊँगा।

तुम्हारे दुख में दुखी,

हर्ष

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

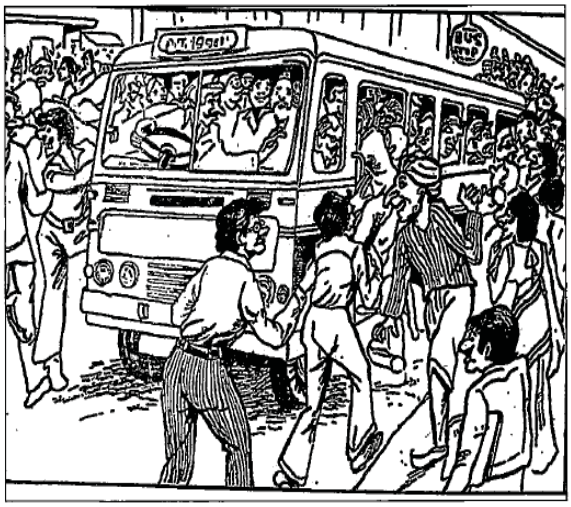

उत्तर : प्रस्तुत चित्र किसी शहरी बस अड्डे का लग रहा है। पूरी बस यात्रियों से खचाखच भरी हुई है फिर भी लोग जबरन चढ़ने का प्रयास कर रहे हैं ड्राइवर उन्हें रोक रहा है। बस अड्डे पर बहुत यात्री खड़े हुए हैं। पूरा बस अड्डा यात्रियों से भरा पड़ा है। कुछ यात्री बस आने का इंतजार कर रहे हैं।

अथवा

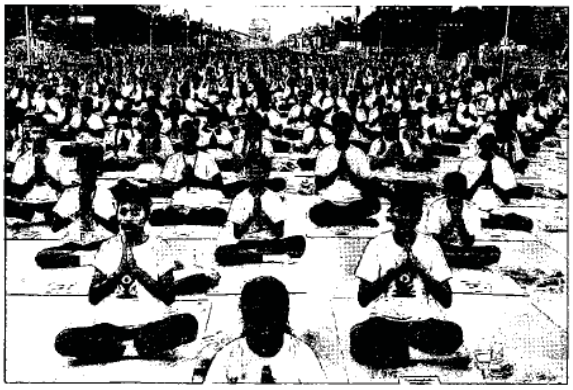

उत्तर : यह प्रातःकाल का दृश्य है। स्वस्थ जीवन पाना हमारी प्राथमिकता है। इस चित्र में सभी योग कर रहे हैं। बच्चों के लिए भी योग अत्यंत लाभकारी है। बचपन से ही योग अपनाने से अनेक व्याधियों को पनपने से रोका जा सकता है। योग प्रातः काल उठकर ब्रह्म मुहूर्त में किया जाता है। योग से शरीर तो हष्ट–पुष्ट होता ही है साथ–साथ मन भी प्रसन्न रहता है।

17. परीक्षा की तैयारी को लेकर दो सखियों के बीच संवाद को लिखिए। 5

उत्तर :

वर्षा– भावना, तुम कैसी हो? (दूरभाष पर) क्या शाम को तुम घर पर हो? मुझे तुमसे मिलना है।

भावना– मैं बिल्कुल ठीक हूँ। तुम कैसी हो? हाँ मैं घर पर ही हूँ तुम आ सकती हो।

वर्षा– धन्यवाद! मैं शाम 5 बजे आऊँगी।

भावना– ठीक है।

वर्षा– (शाम को) भावना मुझे परीक्षा के संबंध में तुमसे बात करनी है।

भावना– हाँ बोलो वर्षा

वर्षा– जैसा की तुम जानती हो, परीक्षा नजदीक आ रही हैं और कोर्स भी अधिक है। समझ नहीं आ रहा कि कैसे तैयारी करूं।

भावना– परेशान मत हो वर्षा। मैं समय–सारिणी बना कर पढ़ाई करती हूँ। प्रत्येक विषय को थोड़ा समय प्रतिदिन देती हूँ।

वर्षा– समय–सारिणी बना कर पढ़ने का विचार अच्छा है।

भावना– इससे सभी विषयों की समय से तैयारी हो जाएगी।

वर्षा– धन्यवाद भावना! तुमने तो मेरी मुश्किल ही हल कर दी।

भावना– अरे, धन्यवाद कैसा! दोस्त ही दोस्त की मदद करता है।

अथवा

कक्षा में शिक्षक तथा छात्रों के बीच प्रातः जल्दी उठने के लाभों को लेकर हुए संवादों को लिखिए।

उत्तर :

शिक्षक– बच्चों, आज का हमारा विषय हैं: प्रातः जल्दी उठने के लाभ।

छात्र– जी

शिक्षक– प्रातः जल्दी उठने से हमारा दिमाग तेज होता है।

छात्र– मैं अपने पिताजी के साथ प्रतिदिन प्रातः भ्रमण के लिए जाता हूँ।

शिक्षक– बहुत बढ़िया, प्रातः उठकर भ्रमण या व्यायाम करने से शरीर स्वस्थ रहता है तथा स्फूर्ति भी रहती है।

छात्र– हाँ मेरे दादा जी भी प्रातः जल्दी उठकर योग करते हैं।

शिक्षक– प्रातः जल्दी उठना और उठकर अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, सैर या योग करना बहुत लाभदायक होता है।

छात्र– जी जल्दी उठना अच्छी आदत है।

शिक्षक– कल ही से सब इस आदत को अपनाने का प्रण लें।

छात्र– जी, हम जरूर जल्दी उठेंगे।

18. **एक कोचिंग संस्थान के प्रचार के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।** 5

उत्तर :

भारत कोचिंग संस्थान

10वीं, 11वीं तथा 12वीं कक्षा के लिए

अनुभवी शिक्षकों द्वारा शिक्षा प्राप्त करने का लाभ

सुबह, दोपहर व शाम बैच की सुविधा

प्रत्येक बैच 15 विद्यार्थी केवल

पता : कांवटिया सर्किल जयपुर

मोबाइल नं. : 9545155451

अथवा

शॉपिंग मॉल में लगी कपड़ों की सेल का एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

सिल्वर मॉल

सेल *सेल* *सेल*

सभी ब्रान्ड्स पर

40 प्रतिशत की छूट

दिनांक 21 से 24 सितम्बर तक

यह ऑफर मात्र 4 दिनों के लिए

स्टॉक सीमित है जल्दी करें।

पता : सिल्वर मॉल,

आर. एन. टी. मार्ग, इंदौर

मोबाइल नं. : 5858458455

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online